

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डीडीहाट पिथौरागढ़

आख्या

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की चौथी वर्षगांठ के सातवें दिवस के कार्यक्रम

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डीडीहाट में दिनांक 28-07-2024 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की चौथी वर्षगांठ के तहत सातवें दिवस की विषय-वस्तु सामूहिक सहभागिता रही। कार्यक्रम में डायट प्रार्चाय श्री भाष्करानन्द पाण्डे, डॉ गोविन्द सिंह धपोला, चन्द्र शेखर मखौलिया, समुदाय व तृतीय सेमेस्टर के सभी प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

सर्वप्रथम चन्द्र शेखर मखौलिया जी द्वारा सामुदायिक सहभागिता की आवश्यकता व महत्व बताया गया, इसके बाद डायट प्रशिक्षु प्रतिभा कोठारी व भावना द्वारा, सामुदायिक सहभागिता की महत्वता पर बात की गयी, उन्होंने सामुदायिक सहभागिता पर बताते हुए कहा कि यह एक-जुट समुदायों का निर्माण करती है, तथा सामाजिक परिवर्तन को प्रेरित करती हैं।

इसके बाद प्रार्चाय महोदय व अन्य शिक्षकों द्वारा समुदाय के साथ चर्चा परिचर्चा की गयी, समुदाय द्वारा विभिन्न प्रश्न पूछे गये जैसे- किस प्रकार सरकारी विद्यालयों में तकनीकी को बढ़ावा दिया जाए, व बच्चों में नैतिक विकास किस प्रकार किया जाए?

प्रार्चाय श्री भाष्करानन्द पाण्डे जी, डा0जी0एस0 धपोला डा0सी0एस0 मखौलिया जी द्वारा उपरोक्त प्रश्नों के उत्तर दिए गये, व समस्याओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखने को कहा गया, साथ उन्हें सामुदायिक कर्तव्यों का ज्ञान कराया गया।

अब प्रशिक्षुओं द्वारा रैली का आयोजन किया गया, जिसमें प्रशिक्षुओं ने समाज हित के नारे लगाये व, पोस्टर के माध्यम से लोगों को जागरूक किया।

साथ ही प्रशिक्षुओं द्वारा नॉर्मल चौराहें पर नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति की गयी, जिसका विषय था- शिक्षा का सकारात्मक स्वरूप, इस नाटक के माध्यम से लोगों को सरकारी विद्यालयों से जोड़ने का प्रयास किया गया। नाटक में तकनीकी का प्रयोग, खेल-खेल में सीखना, कविता कहानियों के माध्यम से सीखने-सीखने पर जोर दिया गया, व समुदाय को सरकारी विद्यालयों की ओर आकर्षित करने का प्रयास किया गया।

अन्त में डायट प्रार्चाय श्री भाष्करानन्द पाण्डे जी द्वारा सामुदायिक सहभागिता पर बात की गयी, उन्होंने कहा, समुदाय व शिक्षा एक दूसरे के पूरक है, अर्थात् शिक्षा समुदाय का विकास करती है, व समुदाय शिक्षा का विकास करता है। अन्त में डायट प्रार्चाय द्वारा कार्यक्रम की सराहना करते हुए, राष्ट्रीय शिक्षा नीति की चौथी वर्षगांठ के अन्तिम दिवस (सातवें दिवस) का समापन किया गया।

दिनांक  
26.07.2024  
स्थान  
डायट डीडीहाट

